गुणवत्ता बाध्यकारी होगी किसान मेले में

पंतनगर। 5 फरवरी, 2010। विष्वविद्यालय में 6 से 9 मार्च, 2010 को होने वाले किसान मेले में गुणवत्ता पर विषेष ध्यान दिया जायेगा। विष्वविद्यालय के कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने मेले की तैयारियों की समीक्षा करते हुये यह बात कही। उन्होंने कहा कि पंतनगर विष्वविद्यालय किसानों के भरोसे का प्रतीक है; यहां के मेले में बिकने वाले प्रत्येक उत्पाद पर किसान भरोसा करता है। अतः यह विष्वविद्यालय की भी जिम्मेदारी है कि यहां बिक्री हेतु आये उत्पादों की गुणवत्ता सुनिष्चित करे। उन्होंने बताया कि पूर्व किसान मेलों में आये विभिन्न संस्थाओं के बीजों की गुणवत्ता की विष्वविद्यालय द्वारा जांच की गयी थी तथा उनमें से कुछ के बीज निम्न गुणवत्ता के पाये जाने पर उन संस्थानों को भावी किसान मेलों में अपने स्टाल लगाने से रोक दिया गया है। इस मेले में भी सभी स्टालों के बीजों के नमूने इकट्ठे कर उनकी जांच की जायेगी। छोटे पैकेट के बीजों की भी जांच होगी। साथ ही उन्होंने इस बार खाने–पीने की वस्तुओं के स्टालों के लिये भी सफाई, सुरक्षा व गुणवत्ता को बाध्यकारी बनाये जाने की बात कही तथा उनके उत्पादों के नमूनों की जांच कर कोई कमी पाये जाने पर उनको मेला प्रांगण से तुरन्त बहिष्कृत करने की व्यवस्था बनाये जाने के लिये भी आदेषित किया। उन्होंने अधिष्ठात्री गृहविज्ञान, डा. रीता सिंह रघुवंषी को यह जिम्मेदारी सौंपी।

निदेषक प्रसार षिक्षा, डा. वाई.पी.एस. डबास, ने मेले की तैयारी की जानकारी देते हुये बताया कि इस बार विष्वविद्यालय द्वारा उत्पादित खाद्य पदार्थों व घरेलू प्रयोग की वस्तुओं की बिक्री के लिये अलग से पंडाल होगा जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के उत्पाद जिनमें आइसक्रीम, मंडुवा व सोयाबीन से बने पौष्टिक बिस्किट, बड़ियाँ व अन्य उत्पाद, विभिन्न फलों के प्रसंस्कृत उत्पाद, मछली के कटलेट, अंडे का अचार, मांसाहारी समोसे, घरेलू प्रयोग हेतु वस्त्र व काषीदाकारी वाली वस्तुयें, इत्यादि सम्मिलित हैं। उन्होंने 'बदलते जलवायु परिदृष्य में समन्वित खेती' को मेले का मुख्य विषय बताया। डा. डबास ने मेले की तैयारी के अंतर्गत सभी ब्लॉक व किसानों तक मेले की जानकारी पहुँचाने के लिये प्रेषित पत्रों व विभिन्न फर्मों से किये गये संपर्क के बारे में बताने के साथ–साथ मेले में धान, मक्का, अरहर, मूंग, उड़द व सोयाबीन आदि के प्रमाणित एवं आधारीय बीजों की उपलब्धता बनाये जाने के बारे में भी बताया। डा. डबास ने बताया कि मेले के दौरान विभिन्न फर्मों द्वारा ट्रैक्टर, कम्बाइन हार्वेस्टर, पावर ट्रिलर, पावर वीडर, प्लान्टर मषीन, सब–स्वायलर, सिंचाई यंत्रों एवं अन्य आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्षन कर उनके बारे में जानकारी दी जायेगी। मेले में विष्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों, विष्वविद्यालय के वाह्य षोध केन्द्रों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त विभिन्न फर्मों द्वारा अपने–अपने उत्पादों एवं तकनीकों का प्रदर्षन किया जायेगा।